Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक

न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 13 फरवरी 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 136

अंतर्राष्ट्रीय

यूएसए के पूर्व अधिकारी का बड़ा दावा - 'पीएम मोदी को हराना चाहता था अमेरिका, रची थी बड़ी साजिश

न्यूयॉर्क । पूर्व अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारी माइक बेंज (रूद्बद्मद्ग क्वद्गठ्ठ5) ने आरोप लगाया है कि अमेरिका ने न केवल भारत की आंतरिक राजनीति में बल्कि बांग्लादेश की राजनीति में भी दखल देने का प्रयास किया है। बेंज का कहना है कि अमेरिकी एजेंसियाँ 'लोकतंत्र को बढ़ावा देने' के नाम पर चुनावों को प्रभावित करने, सरकारों को अस्थिर करने और अपनी अनुकूल सरकार बनाने की कोशिश करती हैं। उनके अनुसार, सुरढ्ढछ्व जैसी संस्थाओं ने भारत के 2019 के लोकसभा चुनावों पर प्रभाव डालने का प्रयास किया, जिसके तहत फंडिंग के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ चुनावी नैरेटिव तैयार किया गया। बेंज ने यह भी दावा किया कि अमेरिकी विदेश विभाग ने फेसबुक, वॉट्सऐप, यूट्यूब और ट्विटर जैसी प्रमुख तकनीकी कंपनियों पर दबाव डालते हुए मोदी समर्थक सामग्री को रोकने की कोशिश की। संदर्भ के तौर पर बताया गया कि जनवरी 2019 में वॉट्सऐप ने मैसेज फॉरवर्डिंग की सीमा लगा दी थी।

अफगानिस्तान में बैंक के बाहर विस्फोट, 25 की मौत, 30 घायल

काबुल । अफगानिस्तान के उत्तरी शहर कुंदुज में काबुल बैंक की शाखा के बाहर मंगलवार विस्फोट में 25 लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम 30 अन्य घायल हुए हैं। अफगान मीडिया ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। अमु टीवी ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से बताया कि विस्फोट में मारे गए लोगों में से अधिकांश तालिबान के सदस्य थे। सूत्रों ने पुष्टि की कि मारे गए लोगों में कुंदुज के 'पुलिस जिले 4' के तालिबान सुरक्षा कमांडर जकारिया भी शामिल हैं। तालिबान पुलिस ने कहा कि मंगलवार सुबह शहर में काबुल बैंक की शाखा के बाहर हुआ विस्फोट एक आत्मघाती बम विस्फोट था, जिसमें नागरिकों और तालिबान सदस्यों सहित पांच लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। मृतकों के शवों को तालिबान के 217 ओमारी कोर क्लिनिक में ले जाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह हमला तालिबान की तरफ से अपने सैन्य और सुरक्षा कर्मियों को वेतन लेने के लिए बैंकों से दूर रहने और इसके बजाय निर्दिष्ट स्थानों का इस्तेमाल करने का आदेश देने के हफ्तों बाद हुआ है। किसी भी समूह ने बम विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है।

ग्वाटेमाला: पुल से 35 मीटर नीचे गिरी बस, 55 लोगों की मौत, राष्ट्रीय शोक घोषित

ग्वाटेमाला सिटी । ग्वाटेमाला की राजधानी के बाहरी इलाके में बड़ा हादसा होने की खबर सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार एक बस के पुल से नीचे गिर जाने से कम से कम 55 लोगों की मौत हो गई है। जानकारी देते हुए सार्वजनिक मंत्रालय के जांचकर्ताओं ने कहा कि घटनास्थल से 53 शव बरामद किए गए हैं और सैन जुआन डी डिओस अस्पताल ने पुष्टि की है कि वहां लाए गए दो यात्रियों की भी मौत हो गई है। इस घटना को लेकर अग्निशमन प्रवक्ता एडविन विलाग्रान ने कहा कि कई वाहनों की आपस में टक्कर के कारण बस सडक़ से उतर गई और पुल के नीचे खाई में गिर गई। अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बस सीवेज से प्रदूषित पानी में 115 फीट (35 मीटर) नीचे गिर गई। बस आधी उल्टी होकर डूब गई।

अभद्र टिप्पणी के लिए रणवीर इलाहाबादिया समेत 7 को महिला आयोग का नोटिस, अगले हफ्ते पेश होने के निर्देश

नई दिल्ली । आरएनएस

राष्ट्रीय महिला आयोग ने सोशल मीडिया वेबसाइट यू-ट्यूब पर प्रसारित 'इंडियाज गॉट लेटेंट' शो में आपत्तिजनक और अश्लील टिप्पणियां प्रसारित करने पर नोटिस जारी किया है और जजों के पैनल में शामिल पांच सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर और यू-ट्यूबर समेत सात लोगों को व्यक्तिगत रूप से 17 फरवरी को अपने मुख्यालय में पेश होने के निर्देश दिये हैं।

महिला आयोग ने बुधवार को यहां बताया कि 'इंडियाज गॉट लेटेंट' शो के जिस एपिसोड में की गयी टिप्पणियों को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ है, उसके जजों के पैनल में शामिल सभी लोगों को कल इस आशय के नोटिस जारी किये गये।नोटिस के अनुसार महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर ने यू-ट्यूब पर प्रसारित इन आपत्तिजनक और अश्लील टिप्पणियों पर गहरी चिंता प्रकट की है। इस शो में शामिल रणवीर इलाहाबादिया, समय रैना, अपूर्वा मखीजा, जसप्रीत सिंह और आशीष चंचलानी तथा निर्माता तुषार पुजारी और सौरभ बोथरा को नोटिस जारी किये गये हैं।

नोटिस में कहा गया है कि शो में प्रसारित की गयी टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आयी है। इसको देखते हुए श्रीमती राहटकर ने इस पर सुनवाई करने का फैसला किया है, इसलिए सभी प्रतिभागियों को 17 फरवरी को आयोग के नयी दिल्ली मुख्यालय में पेश होने को कहा गया है।

सनातन संस्कृति से खिलवाड़ करने वाले देशद्रोही हैं : धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

छतरपुर । आरएनएस

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने यूट्यूब पर चलने वाले 'इंडियाज गॉट लेटेंट' शो में की गई अभद्र और अमर्यादित टिप्पणी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि सनातन संस्कृति से खिलवाड़ करने वाले देशद्रोही हैं। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने बुधवार को संवाददाताओं से बात करते हुए समय रैना और रणवीर इलाहाबादिया की अभद्र टिप्पणी पर कहा कि सनातन संस्कृति के साथ जो भी खिलवाड़ कर रहे हैं, निश्चित रूप से वह निर्दयी हैं, देशद्रोही हैं।

उन्होंने कहा कि इन लोगों पर सरकार अपना शिकंजा कस रही है। हमें इंतजार करना चाहिए। व्यक्ति की तह तक जाना चाहिए। उसकी हकीकत जानने के बाद ही भरोसा करना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि रणवीर इलाहाबादिया और समय रैना का नाम आया है, जो मीडिया से पता चला है, यह बहुत ही निंदनीय था। कार्यक्रम के दौरान जो बातें कहीं गई हैं, वह बहुत ही निंदनीय है और उन लोगों ने बहुत गंदी बातें कही हैं। उन्होंने जो कहा, उसे कह पाना बहुत ही कठिन है, यहां तक कि उसे सुन पाना तो बहुत ही विचित्र बात थी। ऐसे लोगों को ऐसा सबक सिखाना चाहिए, इनको माफ नहीं, बल्कि हृदय और मन से साफ कर देना चाहिए।

इससे पहले इंदौर के तुकोगंज थाने में अधिवक्ता अमन मालवीय ने शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें रणवीर इलाहाबादिया और समय रैना के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है।

लोग काम नहीं करना चाहते क्योंकि उन्हें मुफ्त का राशन मिल रहा: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । आरएनएस

एक अहम मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव में राजनीतिक पार्टियों के मुफ्त के वादे करने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि इससे लोगों की काम करने की इच्छा नहीं होगी क्योंकि उन्हें राशन और पैसे मुफ्त मिलते रहेंगे। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ शहरी क्षेत्रों में बेघर व्यक्तियों के आश्रय के अधिकार से संबंधित एक मामले की सुनवाई कर रही थी जस्टिस गवई ने कहा कि दुर्भाग्य से, इन मुफ्त सुविधाओं के कारण लोग काम करने को तैयार नहीं हैं। उन्हें मुफ्त राशन मिल रहा है। उन्हें बिना कोई काम किए राशि मिल रही है।

बेंच ने कहा, 'हम उनके (बेघर लोगों) के लिए आपकी फिक्र की तारीफ करते हैं लेकिन क्या ये बहेतर नहीं होगा कि उन्हें समाज की मुख्यधारा का हिस्सा बनाया जाए और उन्हें देश के विकास में योगदान करने दिया जाए।'

केंद्र सरकार के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने अदालत को बताया कि केंद्र सरकार शहरी गरीबी उन्मूलन मिशन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। इस मिशन में शहरी बेघर लोगों के लिए आश्रय प्रदान करने सहित विभिन्न मुद्दों का समाधान शामिल होगा।

राम मंदिर के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास का निधन, 85 साल की उम्र में लखनऊ पीजीआई में ली आखिरी सांस

अयोध्या । आरएनएस

अयोध्या में भगवान रामलला के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास का 85 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने लखनऊ पीजीआई में बुधवार को आखिरी सांस ली। उन्हें 3 फरवरी को स्ट्रोक के कारण गंभीर हालत में न्यूरोलॉजी वार्ड के एचडीयू में भर्ती कराया गया था। अस्पताल की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि अयोध्या राम मंदिर के मुख्य पुजारी श्री सतेंद्र दास जी ने आज अंतिम सांस ली।

सत्येंद्र दास 34 साल से रामजन्मभूमि में बतौर मुख्य पुजारी सेवा दे रहे थे। 6 दिसंबर, 1992 को बाबरी विध्वंस के समय वे रामलला को गोद में लेकर भागे थे। तब से लेकर आज तक राम लला की सेवा कर रहे थे। सत्येंद्र दास का जन्म संतकबीरनगर जिले में 20 मई, 1945 में हुआ हुआ था। जो अयोध्या से 98.4 किमी की दूरी पर है। वे बचपन से ही भक्ति भाव में रहते थे। उनके पिता अकसर अयोध्या आया करते थे, वह भी अपने पिता के साथ अयोध्या घूमने आया करते थे।

यहां उनके पिता अभिरामदास जी के आश्रम में आते थे। सत्येंद्र दास भी अभिराम जी के आश्रम में आने लगे थे। अभिराम दास वही थे, जिन्होंने राम जन्मभूमि में 22-23 दिसंबर 1949 में गर्भगृह में राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और सीता जी मूर्तियों के प्रकट होने का दावा किया था। इन्हीं मूर्तियों के आधार पर आगे की लड़ाई लड़ी गई।

चीन के छठवे जेनरेशन लड़ाकू विमान को लेकर बोले सीडीएस, कहा- इस तरह के प्लेटफॉर्म को देखना बहुत मुश्किल

नई दिल्ली । आरएनएस

बेंगलुरु में चल रहे एरो इंडाया शो के दौरान चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को चीन के लड़ाकू विमानों को लेकर पोल खोली है। चीन के छठवे जनरेशन के विमानों को लेकर कहा है कि वे अभी भी विकास के चरण में हैं। चीन के छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान के दावों के बारे में उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में देख छठी के कार्यक्रम पर काम कर रहे हैं और उनका व्यकिगत मानना है कि वे सभी अभी कुछ दूरी पर हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हमारा एएमसीए लड़ाकू विमान का प्रोग्राम चल रहा है। एरो इंडिया में रक्षा मंत्री ने उसे लांच किया। इस एरो इंडिया के दौरान जॉइंट प्रोडक्शन पर जोर दिया जा रहा है। ये एरो इंडिया और हमारे आत्मनिर्भर कार्यक्रम की सफलता को दिखाता है। जनरल अनिल चौहान ने बताया कि युद्ध का स्वरूप बदल रहा है, आने वाले दिनों में वॉर मल्टी डोमेन होगा, एआई का इस्तेमाल बढ़ेगा। हमने एक फ्यूचर वॉरफेयर कोर्स शुरू किया है। इसमें कोई शक नहीं है कि आने वाले वक्त की लड़ाई के लिए हमें आत्मनिर्भरता की तरफ बढऩा होगा।

सीडीएस ने आगे बताया कि इन तकनीकों का प्रदर्शन देशों की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जनरल चौहान ने कहा कि छठवे जनरेशन की क्षमता वाले इस तरह के प्लेटफॉर्म को देखना बहुत मुश्किल है। हम जिस बारे में बात कर रहे हैं, वह विमान के बाहरी दृश्य से है और वह भी कुछ सेकंड की क्लिप के साथ, जिससे आपको यह अंदाजा नहीं होगा कि यह छह पीढ़ी का विमान है।

उन्होंने कहा कि वास्तव में, बड़ी संख्या में देश छह पीढ़ी के कार्यक्रम पर काम कर रहे हैं और मेरा व्यक्तिगत मानना है कि वे सभी कुछ दूरी पर हैंज् लेकिन कुछ समय पहले हमने ड्खस् 10 या ड्खस् 15 इंजन की क्षमताओं के बारे में सुना था जो चीन के लिए 5वीं पीढ़ी के विमानों पर हैं। कुछ समय पहले, हमने यह भी सुना था कि चीन अमेरिकी और ब्रिटिश वायु सेना के कई पूर्व पायलटों को काम पर रख रहा है। वे अपने अभ्यास और अपने सिस्टम को बेहतर बनाना चाहते थे, इसलिए वे बस यह दिखाते हैं कि वे अभी भी उस तरह के विकास के चरण में हैं। न केवल तकनीक के मामले में, बल्कि रणनीति के मामले में भी।

आतंकियों के निशाने पर था पीएम मोदी का प्लेन, मुंबई पुलिस को आया था फोन

नई दिल्ली । आरएनएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों फ्रांस और अमेरिका के आधिकारिक दौरे पर हैं। यात्रा के लिए रवाना होते समय पीएम मोदी कथित तौर पर आतंकवादियों के निशाने पर थे। मुंबई पुलिस ने बुधवार को इकी जानकारी दी। पुलिस कंट्रोल रूम में 11 फरवरी को एक कॉल आई थी, जिसमें उन्हें कहा गया था कि आतंकवादी प्रधानमंत्री के विमान पर हमला कर सकते हैं। धमकी का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने तुरंत संबंधित सुरक्षा एजेंसियों को सूचित किया और उनके रवाना होने से पहले स्थिति का आकलन करने के लिए जांच शुरू की गई।

मुंबई पुलिस ने एक बयान में कहा, '11 फरवरी को मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में एक कॉल आई थी, जिसमें चेतावनी दी गई थी कि विदेश यात्रा पर जाने के दौरान आतंकवादी प्रधानमंत्री मोदी के विमान पर हमला कर सकते हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने अन्य एजेंसियों को सूचित किया और जांच शुरू की।' अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की फ्रांस, अमेरिका यात्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को फ्रांस पहुंचे और उनके आगमन पर भारतीय प्रवासियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने एक्शन समिट और 14वें भारत-फ्रांस सीईओ फोरम को संबोधित किया।

बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी ने पेरिस में ्रढ्ढ एक्शन समिट के दौरान गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई से मुलाकात की, जहां उन्होंने द्वारा भारत में लाए जाने वाले 'अविश्वसनीय अवसरों' पर चर्चा की। भारतीय मूल के 'अल्फाबेट इंक' के सुंदर पिचाई ने इस बात पर भी चर्चा की कि गूगल और भारत देश के 'डिजिटल परिवर्तन' पर कैसे मिलकर काम कर सकते हैं।

पीएम मोदी के विमान पर हमले की धमकी का कॉल करने वाले व्यक्ति को चेंबूर से किया गिरफ्तार

मुंबई पुलिस ने चेंबूर इलाके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसने कथित तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विमान को लेकर एक धमकी भरा कॉल किया था। यह कॉल 11 फरवरी को पुलिस नियंत्रण कक्ष में प्राप्त हुआ था, जिसमें दावा किया गया था कि पीएम मोदी के विमान पर आतंकवादी हमला हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, यह घटना प्रधानमंत्री के आधिकारिक विदेश दौरे से ठीक पहले हुई थी, जिससे सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। कॉल में दी गई चेतावनी के बाद मुंबई पुलिस ने तुरंत अन्य सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क किया और जांच शुरू की। पुलिस की शुरुआती जांच में पाया गया कि कॉल करने वाला व्यक्ति मानसिक रूप से अस्वस्थ है। गिरफ्तार व्यक्ति मानसिक बीमारी से जूझ रहा है। फिलहाल, पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि उसने ऐसा कॉल क्यों किया।

महाकुंभ भगदड़ में मारे गए श्रद्धालुओं को दी गई जलांजलि

महाकुंभ नगर । आरएनएस

जलांजलि और तिलांजलि दी गई। दरअसल, माघ पूर्णिमा के स्नान से पहले भारतवर्षीय धर्म संघ, स्वामी करपात्री फाउंडेशन, वैदिक कायाकल्प संस्थान द्वारा गंगा घाट पर पहुंचकर मंत्रोच्चारण किया गया। इस दौरान उन्होंने मौनी अमावस्या पर भगदड़ के दौरान मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए तिलांजलि दी गई। अखिल भारतवर्षीय धर्म संघ के महंत गुण प्रकाश चैतन्य ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, देश में अनूठा कार्य आज से नहीं बल्कि अनादिकाल से चला आ रहा है। मौनी अमावस्या के पावन पर्व पर जो घटना घटित हुई थी, उन दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए आज तिलांजलि दी गई है। आज के दिन चतुर्दशी और पूर्णिमा का पावन पर्व शुरू हुआ है, इसी वजह से उन दिवंगत आत्माओं को जलांजलि और तिलांजलि दी गई, ताकि मृत आत्माओं को मोक्ष मिल सके। हम यहां आने वाले लोगों से भी अपील करेंगे कि वह भी मृतकों को श्रद्धांजलि दें। मौनी अमावस्या के दिन महाकुंभ में भगदड़ की घटना हुई थी। इस घटना में कम से कम 30 श्रद्धालुओं की मौत गई थी और कई लोग घायल भी हुए थे। बता दें कि मंगलवार को सुबह 8 बजे तक करीब 50 लाख श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाई, जिसके साथ ही महाकुंभ में स्नानार्थियों की संख्या 45 करोड़ पार हो गई। अभी महाकुंभ को 15 दिन और दो महत्वपूर्ण स्नान पर्व शेष हैं।

महाकुंभ मेला : संगम में डुबकी लगाते ही बुजुर्ग के हाथ लगा एक अनोखा कछुआ, देखने के लिए दूर-दूर से आ रहे श्रद्धालु; बोले- असंभव!

प्रयागराज । आरएनएस

महाकुंभ के जश्न में जुटे श्रद्धालुओं का सैलाब दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। माघ पूर्णिमा के दिन सुबह आठ बजे तक 1.4 करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई और आने वाले भक्तों का सिलसिला अभी भी जारी है।

इसी बीच एक ऐसी घटना घटी, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया। एक बुजुर्ग का दावा है कि संगम में डुबकी लगाते समय उनके हाथ एक अनोखे कछुए से लगे, जिसकी बॉडी पर पीले रंग में अंग्रेजी के अक्षर—जैसे ्र, ए,बी,सी,डी—लिखे हुए थे। बुजुर्ग ने बताया कि अचानक अपने पैरों के पास हलचल महसूस होने पर उन्होंने पानी में हाथ डाला और उन्हें यह कछुआ मिला। उन्हें यह घटना इतनी अद्भुत लगी कि वे कछुए को अपने साथ लेकर आए।

इस घटना को लेकर कुछ लोग इसे महाकुंभ के दौरान हुई एक चमत्कारी घटना मान रहे हैं, जबकि अन्य इसे अंधविश्वास या धोखाधड़ी का मामला कहकर खारिज कर रहे हैं। कछुए की बॉडी पर लिखे अक्षरों को कुछ लोग प्राकृतिक पैटर्न या आकस्मिक निशान मानते हैं, वहीं कुछ इसे कुदरत के करिश्मे के रूप में देख रहे हैं।

इस घटना ने प्रयागराज में आने वाले भक्तों में उत्सुकता और चर्चा का माहौल पैदा कर दिया है। कछुए को देखने के लिए दूर-दूर से लोग यहां आ रहे हैं, जबकि इसकी वास्तविकता को लेकर सवालों का सिलसिला जारी है। आगे क्या खुलासा होता है, यह समय ही बताएगा।

पेपर लीक पर न्यायिक फटकार

हाईकोर्ट ने उठाए आरपीएससी की कार्यशैली पर सवाल

जयपुर । आरएनएस

राजस्थान में एसआई भर्ती घोटाले को लेकर हाईकोर्ट ने आरपीएससी की निष्क्रियता पर कड़ी नाराजगी जताई। जस्टिस समीर जैन की अध्यक्षता वाली बेंच ने आरपीएससी के कार्यवाहक चेयरमैन कैलाश चंद्र मीणा से सीधे सवाल किया—जब आयोग के दो सदस्यों के नाम सामने आए, तो एफआईआर दर्ज कराने की जिम्मेदारी आपकी नहीं थी?

आरपीएससी में कुछ भी संभव—हाईकोर्ट

हाईकोर्ट ने मौखिक टिप्पणी करते हुए पूछा, क्या आरपीएससी का कोई धणी-धोरी है? अदालत ने कहा कि आयोग पूरे मामले में साइलेंट मोड में है, जबकि इतनी गंभीर अनियमितताएँ उजागर हो रही हैं।

एसओजी के एडीजी वीके सिंह ने कोर्ट को बताया कि पहले आरपीएससी में इस तरह की गड़बडिय़ाँ होती थीं, लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा। इस पर हाईकोर्ट ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा—जो अब हो रहा है, वो 3-4 साल बाद पता चलेगा।

ईडी की एंट्री तय, हाईकोर्ट सख्त

याचिकाकर्ता ने प्रवर्तन निदेशालय को पार्टी बनाने के लिए आवेदन दायर किया था। इस पर हाईकोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि अब इसकी जरूरत नहीं, क्योंकि अदालत पहले ही ईडी को जांच में शामिल करने के आदेश दे चुकी है।

सदस्यों की नियुक्ति पर भी उठे सवाल

हाईकोर्ट ने आरपीएससी में सदस्यों की नियुक्ति प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े किए और मौखिक टिप्पणी में कहा कि आयोग की कार्यप्रणाली पारदर्शी नहीं दिख रही है।

इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना यह होगा कि कोर्ट के इन तीखे सवालों के बाद सरकार और आयोग क्या रुख अपनाते हैं।